इंटर कल्चरले फिलाँसफी

मोनिका किर्लोसकर–स्टेनबाख
(प्रोफेसर ऑफ फिलॉसॉफी, कॉन्टान्झ ववद्यापीठ, जर्मनी)

इंटर कल्चरल डाइलोग के प्रमुख विचार

जर्मन शब्द "Interkulturelle Philosophie" (IP) शैक्षिक दर्शन के पुनर्नवीकरण के प्रतीक के रूपमे लिया जाता है। माना जाता है कि बौद्धिक नम्रता, गौरव और वास्तविकता से अनजान या विदेशी दार्शनिक और बौद्धिक परंपराओं के साथ ब्यवहार करना IP है। माना जाता है कि नैतिक प्रतिबद्धता के द्वारा अन्य परंपराओंको बडी सूक्ष्मता और बारीकी से बोध और उनके भाव और आर्थ आदिका सूक्ष्म अंतर भी इसके द्वारा समझाया जासकता है। दार्शनिक को IP बाध्य करता है कि अन्य परंपराओं की निर्मिति की रक्षा करे, जिनमें ये मात्र स्वल्प रूपमें परिवर्तित होकर फीके पड जाते हैं। IP इन अंतर-सांस्कृतिक तुलनाओं के प्रतिभा समान रूप से सतर्क रहता है, जिनके द्वारा परंपराओं के अंतरों को समझाया जा सके। इतना ही नहीं IP, विभिन्न संस्कृतियों के सामान्य विचारों का एक दूसरेके साथ जुड जाने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

इस विचार का उपयोग कौन करता है?

यह पद-बन्ध सामान्य तथा जर्मन भाषी देशों के तुलनात्मक दार्शनिकों बीच विशेष रूप से प्रचलित है। ये दार्शनिक मानते हैं कि विभिन्न स्तरोंपर, नीति वचन और नियमों पर इन्हें तुरन्त लागूकरने की आवश्यकता है, जो अंतर सांस्कृतिक दर्शनों के बीच तुलना करते समय उत्पन्न होते हैं। वे चाहते हैं कि अंतर सांस्कृतिक सँवाद की आवश्यकता है, जिससे उसे समझा जा सके और सभी प्रतिभागी दल इसमें समान रूप से भाग लेसकें। वे अंतर-सांस्कृतिक तुलनात्मकता को पुन: प्रयोग में लाना चाहते हैं, जिनका विध्वंसकारी उपयोग Anglo-European दार्शनिक परंपराओं के महत्वके सामने स्थिर रखने के लिए कियागया था। इन देशोंसे संबंधित अपने बुद्धजीवी पूर्वजोंसे दूरी रखने वाले ये दार्शनिक, स्पष्ट रूपसे जर्मन शब्द Komparative Philosophie से परहेज करते हैं। अपने पूर्वजों से इस शब्द के प्रयोग, इनके अनुसार यह है कि अन्य परंपराओं को समान और आवश्यकता के रूपमें बदलजाना था। "अन्य" का अर्थ अब यह निकलता है कि अपनी परंपरा के गुणों को उजागर करने के लिए एक साधन बन जाता है। ऐसे हानिकारक विचारों का प्रचलन आजभी हैं। पूर्व उपनिवेश देशों में समय-समय पर अपने बुनियादी शैक्षिक तौर तरीकों पर संपूर्ण जांच-विमर्श नहीं किया जा रहा है, जो अपने आप में महत्वपूर्ण कठोर सत्य होना निर्विवादांश है। अत: इन प्रतिभागियों में प्रतिस्पर्धा की सूझ, पूर्णरूप से आवश्यक मात्रा मे विकसित नहीं होती।

अंतर सांस्कृतिक संवादके साथ क्या यह ठीक बैठता है?

इस क्षेत्र में कार्यरत दार्शनिकों का तर्क है कि IP, एक विशेष मौलिक सैद्धान्तिक परिवर्तन, बुनियादी संवाद में लाने में समर्थ है क्योंकि ऐसे संवादों के लिए यह अनुकूल है। इस ढाचे में भागलेने वाले दार्शनिक आपसी शिक्षा को सीखने के लिए तैयार रहेंगे और एक दूसरे पर बौद्धिक रूप से हाबी नहीं होंगे। इस आदान-प्रदान में संवाद की स्वच्छता का स्वस्थ रखने की एक नैतिक जवाब दे ही से वे बंधे रहेंगे।

Originally published in 2015; translated into Hindi in 2016.

और क्या काम बचा है?

इस परियोजना के प्रारंभ कर्ताओंने दर्शन शब्द की ग्राह्यता के लिए ही एक मार्ग डाला है। जर्मन भाषी देशों के पारंपरिक दार्शनिक विचार, उनकी सोच और उन्हें पढाने की पद्धतियों के बारे में गहरे अध्ययन की दिशा की ओर यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस परियोजना को अंग्रेजी भाषी देशों के दार्शनिकों के साथ साझेदारी में आगे बढाया जा सकता है। अपने आपको तुलनात्मक और अंतर-सांस्कृतिक दर्शनों के अध्येता मानने वालों के मध्य जो समान अभिरुचि और लक्ष्यों को निर्धारित करचुके हों यह कार्य संपन्न होसकता है।

Resource

Kirloskar-Steinbach, M., Ramana, G., & Maffie, J. (2014). Introducing *Confluence*: A thematic essay. *Confluence, 1*, 7-63.

अनुवादक: सुमन लता (हैदराबाद, भारत)

Originally published in 2015; translated into Hindi in 2016.